शुक्रवार
24 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

क्या प्रदूषण में कपालभाति जैसे प्राणायाम करने चाहिए ?

पृष्ठ 5

एनिमल में रणबीर का दमदार एक्शन अवतार लोगों को अचंभित कर रहा है

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 282
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

युवावस्था आवेशमय होती है, वह क्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी।

– प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज किसी भी समय आ सकती है खुशखबरी

❑रुकावटें दूर, फिर से शुरू किया गया ड्रिलिंग का काम

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा में बीते 13 दिनों से देश और दुनिया का सबसे बड़ा रेस्क्यू अभियान चल रहा है। बीते तीन दिनों से हर रोज बनती बिगड़ती संभावनाओं के बीच जारी इस अभियान में आने वाली रूकावटों के बीच आज फिर रेस्क्यू अभियान का नेतृत्व कर रहे भास्कर खुल्बे ने कहा है कि आज किसी भी वक्त इसे पूरा किया जा सकता है और 13 दिनों से सुरंग में फंसे लोगों को बाहर लाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि बीते कल जब आगर मशीन ने ड्रिलिंग का काम शुरू किया था तो उसके एक सवा घंटे बाद ही मलबे में मोटा आयरन राड आने से मशीन के ब्लेड के साथ ड्रिल किए जाने वाले अग्रिम पाइप के हिस्से को भी मोड़ दिया गया था, जिसके कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। आज इस अग्रिम पाइप का कुछ हिस्सा जो क्षतिग्रस्त हो गया उसे काट कर अलग कर दिया गया है तथा मलवे में आए आयरन राड को निकाल दिया गया है। बीती रात आगर मशीन का प्लेटफार्म भी हिल गया जिसका

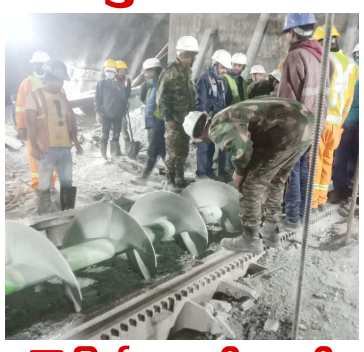

❑सिर्फ 10 मीटर की दूरी बाकी, श्रमिकों का हौसला भी बुलंद

रात ही मरम्मत का काम किया गया।

उन्होंने मीडिया कर्मियों को जानकारी दी कि जो अड़चन कल रात सामने आई थी उन सभी को दूर कर लिया गया है उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आगर मशीन में किसी तरह की कोई समस्या नहीं है और अब कुछ ही देर में फिर ड्रिलिंग और पाइप पुलिंग का काम शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि सुरंग में भरे मलबे में अब 5 मीटर तक कोई ठोस राड या आयरन नहीं है। इसकी पुष्टि सर्वे टीम द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि अभी हमें कम से कम 10-12 मीटर आगे जाना है। और इसके लिए दो से तीन पाइप ड्रिल किए जाने की जरूरत है। लेकिन रास्ते में अगर कोई व्यवधान नहीं आया तो इसे आज शाम या देर रात तक पूरा किया जा सकता है।

उधर केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने भी आज एक बार फिर इंटरनल साइड पर जाकर रेस्क्यू टीमों से वर्तमान हालात और कार्य प्रगति के बारे में जानकारी ली। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रेस्क्यू अभियान की पल-पल की रिपोर्ट ली जा रही है। उन्होंने आज भी अंदर फंसे लोगों से बात की तथा उनका हाल जाना। श्रमिकों को खाना और उनकी जरूरत का सामान लगातार मुहैया कराया जा रहा है। उनका कहना है कि उनका मनोबल ऊंचा है और कोई किसी तरह की दिक्कत नहीं है। क्योंकि उन्हें भी यह पता है कि उन्हें बाहर निकालने के लिए कितना रेस्क्यू अभियान चल रहा है। उनका कहना भी यही है कि आप बाहर का काम करते रहें और अगर जरूरत पड़ी तो थोड़ा बहुत काम वह अंदर से करने को तैयार हैं।

प्रधानमंत्री ने दिए मुख्यमंत्री धामी को निर्देश

श्रमिकों व परिजनों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराए

❑श्रमिकों व परिजनों को घर तक सुरक्षित पहुंचाने का इंतजाम करेगी सरकार

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर उनसे अब तक रेस्क्यू अभियान की प्रगति की पूरी जानकारी ली और उन्हें दिशा निर्देश दिए की सिलक्यारा पहुंचे श्रमिकों के परिजनों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए और उन्हे सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाए। श्रमिकों के सुरंग से बाहर आने पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण और उचित उपचार की व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें उनके घर भेजे जाने की व्यवस्था भी करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बारे में जानकारी लेते रहे हैं। आज भी उन्होंने रेस्क्यू में हो रही देरी और श्रमिकों की स्थिति के बारे में लंबी वार्ता की। मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें बताया कि निर्माण में प्रयुक्त लोहे और पक्के निर्माण के आगर मशीन के रास्ते में आ जाने के कारण रेस्क्यू को पूरा होने में समय लग रहा है लेकिन काम लगातार जारी है। उन्होंने अपने यही कैंप करने और काम की मॉनिटरिंग करने की जानकारी भी उन्हें दी।

प्रधानमंत्री ने उन्हें कहा कि जैसे ही श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकाल जाए उनके स्वास्थ्य परीक्षण और जरूरत होने पर उन्हें उचित इलाज मिलना सुनिश्चित किया जाए, साथ ही उन्होंने साइड पर पहुंचे श्रमिकों के परिजनों को किसी भी तरह की दिक्कतें न होने देने की निर्देश दिए। मुख्यमंत्री द्वारा इसके लिए धरातल की तैयारियों की पूरी जानकारी दी गई तथा परिजनों के लिए खाने व रहने तथा गर्म कपड़ों की व्यवस्था करने की बात बताई। प्रधानमंत्री ने श्रमिकों को उनके परिजनों के साथ उनके घर पहुंचाने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को भरोसा दिलाया कि अब रेस्क्यू ऑपरेशन अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और किसी भी समय पूरा किया जा सकता है।

कतर में खत्म हो सकती है आठ भारतीयों को मिली मौत की सजा

नई दिल्ली। कतर में भारतीय नौसेना के 8 पूर्व जवानों की सजा के खिलाफ भारत सरकार द्वारा अपील पर कतर अदालत ने मुहर लगा दी है। कतर की अदालत ने भारत की अपील स्वीकार कर ली है और मामले में अगली सुनवाई की उम्मीद है। अक्टूबर में, कतर की एक अदालत

❑कतर कोर्ट ने मंजूर की भारत सरकार की अपील

ने आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को देश में एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मौत की सजा सुनाई। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा, फैसला गोपनीय है। प्रथम दृष्टया अदालत ने फैसला सुनाया, जिसे हमारी कानूनी टीम के साथ साझा किया गया। सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करते हुए अपील दायर की गई है। हम कतरी अधिकारियों के संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत इस मामले पर कतरी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है और सरकार पूर्व नौसेना कर्मियों को सभी कानूनी और दूतावास संबंधी सहायता देना जारी रखेगी।

48 घंटों में मुंबई हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को एक ईमेल मिला है जिसमें उसके टर्मिनल दो को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है और ईमेल भेजने वाले ने ऐसा न करने के एवज में बिटकॉइन में दस लाख अमेरिकी डॉलर की मांग की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इमेल के जरिए दी धमकी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बृहस्पतिवार को धमकी भरा ईमेल मिला, जिसके बाद सहार थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। अधिकारी ने कहा, ईमेल बृहस्पतिवार को पूर्वाह्न 11 बजकर छह मिनट पर हवाई अड्डे के फीडबैक इनबॉक्स में प्राप्त हुआ था। 10 लाख डॉलर की

बिटकोइन में मांग यह एमआईएएल कंपनी के फीडबैक ईमेल पर आया था। संदेश भेजने वाले ने हवाई अड्डे के टर्मिनल दो पर विस्फोट न करने के लिए 48 घंटों के भीतर बिटकॉइन में 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मांग की है। ईमेल में लिखा है, यह आपके हवाई अड्डे के लिए अंतिम चेतावनी है। अगर निर्दिष्ट पते पर बिटकॉइन में 10 लाख अमेरिकी डॉलर हस्तांतरित नहीं किये गये तो हम 48 घंटों में टर्मिनल दो को बम से उड़ा देंगे। अगले 24 घंटे में एक और चेतावनी संदेश भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि ईमेल प्राप्त होने के बाद मुंबई हवाई अड्डे पर एमआईएएल के गुणवत्ता और ग्राहक सेवा विभाग के एक कार्यकारी ने सहार थाने से संपर्क किया और संदेश भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 385 (जबरन वसूली करने के लिए किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने का भय दिखाना) और 505 (1) (बी) (सार्वजनिक रूप से भयभीत करने या सार्वजनिक शांति भंग करने की चेतावनी देने के इरादे से दिया गया बयान) के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

फेंकूओ पर कार्यवाही जरूरी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव ने कहा है कि 10 दिन के अंदर डीप फेंक से निपटने के लिए प्रभावी योजना लाई जाएगी। उनका कहना है कि केंद्र सरकार कानूनी प्रावधानों का मसौदा तैयार कर रही है जिससे गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। संचार और प्रौद्योगिकी के इस क्रांतिकारी दौर में फेक बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी) फेक वास्तविकता (वर्चुअल रियलिटी) फेक तथ्य (पोस्ट टूथ) का चलन इस कदर बढ़ चुका है कि अब सच क्या है और झूठ क्या है इसका अनुमान लगाना भी किसी के लिए संभव नहीं रह गया है। यह कहना भी इस दौर में अनुचित नहीं होगा कि फेक (महा झूठ) का चलन इतना ज्यादा बढ़ चुका है कि लोग वर्तमान सदी को ही फेक सदी के रूप में प्रचारित करने लगे हैं। यह समझने की बात है कि अगर आने वाली पीढ़ी जो अवास्तविक है उसे ही सच और वास्तविक मान लेती है तो हमारा समाज और सामाजिक स्थितियां क्या होगी। कृत्रिम इंटेलिजेंसी के माध्यम से इन दिनों ऐसे वीडियो बनाएं और वायरल किये जा रहे हैं जो किसी भी बड़ी से बड़ी हस्ती के चरित्र को तार-तार करने की ताकत रखते हैं। इसी साल एक तेलुगू अभिनेत्री रश्मिका मंडाना का जो अमर्यादित वीडियो वायरल हुआ था वह इसका एक उदाहरण मात्र है। खास बात यह है कि जब तक किसी व्यक्ति को इसके बारे में जानकारी हो पाती है तब तक लाखों और करोड़ों लोगों तक आपके बारे में यह गलत जानकारी पहुंच जाती है और आप अपनी इज्जत बचाने के लिए कुछ भी नहीं कर पाते हैं। इन दिनों एक के बाद एक कई अभिनेत्रियों के अश्लील वीडियो वायरल किये जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में इस समस्या का समाधान खोजा जाना जरूरी है। इन फेक वीडियो के माध्यम से कोई एक तरह के अपराधों को अंजाम तक नहीं पहुंचाया जा रहा है यह कई तरह के अपराधों में कारगर सिद्ध हो रहा है किसी को ब्लैकमेल करने का भी यह एक नायाब तरीका बन चुका है। कोई भी विज्ञान, तकनीक या अनुसंधान सिर्फ तब तक ही कल्याणकारी सिद्ध होता है या रहता है जब तक उसका इस्तेमाल जनहित और कल्याण के लिए किया जाता है। जब इसका इस्तेमाल गलत उद्देश्यों के लिए किया जाना ही प्राथमिकता बन जाए ऐसे में इसके दुष्परिणामों से नहीं बचा जा सकता है। एक गलत सूचना क्या कुछ कर सकती है इसे बताने की जरूरत नहीं है। बीते कुछ समय से जब भी जहां भी कोई दंगा आदि होता है उसे क्षेत्र की इंटरनेट सेवाओं को बंद करने की जरूरत इसलिए पड़ती है कि गलत सूचनाओं का आदान-प्रदान समस्या को और अधिक बढ़ा सकता है। अगर बात राजनीति की करें तो फेक वायदों का चलन राजनीति में तभी से जारी है जब से चुनाव की शुरुआत हुई। आपको याद होगा कि एक बार पीएम मोदी को कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने फेकू पीएम कह दिया था। 10 साल पहले जब भाजपा लोकसभा चुनाव में उतरी थी तब उसने विदेश में जमा काले धन को वापस लाने और हर गरीब के खाते में 10-10 लाख डालने का प्रचार किया था। यह बीजेपी का जनता से किया गया एक फेक वायदा था। जिस पर बाद में जब विपक्ष व मीडिया ने सवाल उठाए थे तो भाजपा नेताओं ने इसे चुनावी शगुफा बता कर अपना पल्ला झाड़ लिया था। आज भी जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें एक नहीं तमाम राजनीतिक दलों द्वारा यह भी फ्री और वह भी फ्री, के तमाम वायदे और दावे, गारंटी और वारंटी बताये जा रहे हैं। कौन कितनी मुफ्त की रेवड़ियां बांट सकता है? चुनाव जीतने और हारने का मापदंड बन चुका है। भला हो अश्वनी वैष्णव का जिन्होंने फेंक के और फेकूओं के खिलाफ प्रभावी उपाय करने और कानून बनाने का बात कही है। उनका यह कदम स्वागत योग्य है। लेकिन देखना होगा कि उनके द्वारा किए जाने वाले प्रयास से यह कानून कितने कठोर हो पाते हैं। अगर इसे रोकने के अभी सख्त इंतजाम नहीं किए गए तो आने वाला समय अत्यंत थी दुश्वारियों भरा रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

बैंक अधिकारी बन ठगे एक लाख रुपये

देहरादून (सं)। बैक अधिकारी बनकर क्रेडिट कार्ड का कार्ड प्रोटेक्शन प्लान चालू करने के बहाने खाते से एक लाख रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाकपटटी निवासी रोहित कुमार अग्रवाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 22 नवम्बर को उसके फोन पर कॉल आया जिसमें फोन पर बात करने वाले ने बताया कि वह इन्डोसईड बैंक से बोल रहा है और आपके क्रेडिट कार्ड पर लगभग 1800 रूपये का कार्ड प्रोटेक्शन प्लान चालू है जिसका भुगतान आज ही करना है उसके बाद उन्होंने एक लिंक उसको उसके व्हटसएप नम्बर पर भेजा, जिसके बाद उन्होंने कार्ड की जानकारी भरने को कहा और उसके तुरन्त बाद लगातार तीन भुगतान बिना उसके द्वारा ओटीपी बताये हो गये। जिससे कुछ एक लाख 9941 रूपये उसके खाते से निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शाचिगो शाचिपूजनायं रणाय ते सुतः।
आखण्डल प्र हूयसे॥

(ऋग्वेद ८-१७-१२)

हे उपासना के योग्य परमेश्वर ! आप सबसे शक्तिशाली हैं। आपके पास असंख्य शक्तियाँ हैं। आप अज्ञान के अंधकार का नाश करते है। हम आपका आव्हान करते हैं कि ज्ञान और उपासना के द्वारा जो सोम रस हमने आपकी प्रसन्नता के लिए तैयार किया है, उसका पान करें।

गौवंशीय पशुओं का वध करने वाले तीन गिरफ्तार, दो फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौवंश संरक्षण स्क्वाड द्वारा कार्यवाही करते हुए गौवंशीय पशुओं का वध करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से भारी मात्रा में गौमांस, गौवंशीय पशुओं का वध करने वाले उपकरण व अन्य सामान भी बरामद किया गया है। हालांकि इस दौरान दो आरोपी फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती शाम उत्तराखंड गौवंश संरक्षण स्क्वायड गढ़वाल परिक्षेत्र हरिद्वार को सूचना मिली कि कोतवाली गंगनहर क्षेत्र के साहब ग्राम माधोपुर हजरतपुर में मेहरअलाई के खाली खेत के पास ट्यूबवेल के निकट कुछ लोग गौकशी कर रहे हैं तथा गौमांस को कांट-छांट कर बेचने की फिराक में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए गौवंश सरंक्षण स्क्यवायड द्वारा बताये गये स्थान पर दबिश दी गई तो मौके पर 511 किलो गौमांस मय 8 गौवंशीय पशु खुर, 2 गौवंशीय पशु के कटे सिर, 2 गौवंशीय पशु की खाल व गौकशी में प्रयुक्त उपकरणों सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि इस दौरान गौकशी में शामिल 2 अन्य लोग

❑भारी मात्रा में गौमांस व वध करने के उपकरण बरामद

अंधेरे,कोहरे एवं गन्ने के खेतों का लाभ उठाकर मौके से भागने में सफल रहे, जिनकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम तौहिद उर्फ बनिया पुत्र तौफीक, सुफियान पुत्र दिलशाद व मुरसलीन पुत्र रिजवान निवासी ग्राम माधोपुर हजरतपुर कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार बताया। बताया कि उनके फरार साथियों के नाम फरमान पुत्र इरफान व सोनू उर्फ गागा पुत्र रिजवान है। स्क्वायड द्वारा मौके से गिरफ्तार एवं मौके से फरार गौकशी के सभी 5 आरोपियों के खिलाफ कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा दर्ज कराकर उन तीनों को जेल भेज दिया गया है। मौके से बरामद मांस के स्थानीय पशु चिकित्साअधिकारी द्वारा सैंपल लिए गये तत्पश्चात बचे शेष गौमांस को मौके पर ही गहरा गड्ढा खोदकर व उचित अम्लीय छिड़काव कर नष्ट किया गया है।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान प्रतीतनगर तिराहे के पास एक मोटरसाईकिल पर सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गये। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 17 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अन्दाजनाथ पुत्र बंसत नाथ व फौजी नाथ पुत्र नत्थुनाथ दोनों निवासी सपेरा बस्ती भानियावाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चोरी की एलईडी के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के एलईडी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रूशा फार्म गुमानी वाला निवासी सरिता देवी ने 19 नवम्बर को ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि किसी ने उनके घर का ताला तोडकर कमरे से एलईडी टीवी चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे। मिले महत्वपूर्ण सुराग के चलते आज पुलिस ने गुमानीवाला से एक युवक को चोरी की एलईडी टीवी के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम अमित पुत्र प्रदीप निवासी गली नम्बर 25 गुमानीवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

स्कूटी चोरी मामले में एक गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्कूटी चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने कई माह बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गयी स्कूटी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 2 अगस्त को ज्योति कश्यप पुत्र राम अवतार निवासी शिवपुरम पनियाला रोड रुड़की द्वारा गगनहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी स्कूटी चोरी कर ली गई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी।

स्कूटी चोर की तलाश में जुटी पुलिस को कल देर शाम सूचना मिली कि उक्त

स्कूटी चोरी में शामिल चोर रामनगर क्षेत्र में देखा गया है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर एक व्यक्ति को चोरी की स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया गया। जिसने पूछताछ में अपना नाम रजत पुत्र सतपाल निवासी ग्राम सालियार रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

फायदा ही नहीं नुकसान भी पहुँचाती है अदरक!

अदरक के फायदों के बारे में तो हम सब जानते है लेकिन आप शायद इसके नुकसान के बारे में नहीं जानते होंगे। अदरक का ज्यादा सेवन करने से कई प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। अदरक को इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लाभदायक माना जाता है। अगर कहें कि अदरक आपको बीमार भी कर सकता है तो आपको यकीन नहीं होगा! अदरक खाद्य पदार्थ होने के साथ-साथ आयुर्वेदिक औषधि भी है। अदरक बहुत सारी बीमारियां से बचाव करने में लाभदायक हो सकता है। यदि आप ये सोचते हैं कि अदरक का सेवन करना हमें हेल्दी बना रहा है, तो आप बहुत बड़ी गलती कर रहें हैं! अदरक के ज्यादा सेवन से कई प्रकार की बीमारियों का खतरा हो सकता है।आइये जानते है अदरक से होने वाले नुकसान के बारे में....

अदरक का ज्यादा सेवन करना आपके सेहत में सुधार नहीं लाता, बल्कि आपके दिल को बीमार बना देता है। इसका ज्यादा सेवन करने से आपको दिल को नुकसान पहुंच सकता है। अदरक का ज्यादा सेवन करने से दिल को सुचारू रूप से काम करने में परेशानी आती है, साथ में ही ब्लड प्रेशर के घटने-बढ़ने की समस्या का भी आपको सामना करना पड़ सकता है।

अदरक आपकी स्किन के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन, कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। ऐसे में उन्हें अदरक को त्वचा पर लगाने से जलन हो सकती है। स्किन पर अदरक लगाने के बाद किसी भी तरह की परेशानी हो तो इसका उपयोग करना बंद कर देना चाहिए।

अदरक का ज्यादा इस्तेमाल हमारे खून को पतला करने का काम करती है। इसके साथ ही अदरक आपके खून में जमने वाले थक्कों को एस्पिरिन की ही तरह ही रोकती है।

यदि आप डायबिटिक के मरीज है, तो अदरक का सेवन एक सीमित मात्रा में करना ही फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि अदरक धीरे धीरे आपके ब्लड शुगर को कम कर देती है। जिससे आपको हाइपोग्लाइसीमिया यानि खून में शुगर की कमी नामक बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

गर्भावस्था के दौरान अदरक का सेवन करना जहां गर्भवती महिलाओं को जी मिचलाने और उल्टी से निजात दिलाता है, वहीं एक शोध के अनुसार अदरक का अधिक सेवन करना गर्भपात के खतरे को बढ़ा देता है।

टमाटर के अधिक सेवन से हो सकते हैं ये 5 नुकसान, जरूर जानिए

टमाटर के महंगे होने का अगर आपको भी दुख है, तो इसके इन नुकसानों को जरूर जान लीजिए...इन्हें जानने के बाद आपको टमाटर के महंगे होने का जरा भी दुख नहीं होगा और आप तौबा कर लेंगे इन महंगे टमाटरों से। जानें 5 नुकसान.....

1. टमाटर का सेवन आपको एसिडिटी दे सकता है। दरअसल इसमें काफी अधिक मात्रा में अम्ल होता है जिससे इसका सेवन करने पर आपके पेट में अम्लीयता बढ़ती है और यह एसिडिटी का कारण बनती है।

2. टमाटर के साथ-साथ आप इसके बीजों को शरीर में जाने से नहीं रोक सकते, लेकिन इन बीजों के आपके शरीर में जाने से आप पथरी के मरीज हो सकते हैं, क्योंकि ये आसानी से किडनी में पहुंचकर पथरी यानि स्टोन का निर्माण करते हैं।

3. टमाटर में मौजूद टरपीन्स नामक तत्व आपकी शारीरिक दुर्गन्ध का कारण बन सकता है। पाचन के दौरान इसका विघटन, शरीर की दुर्गन्ध पैदा करता है।

4. अगर आपको अक्सर पेट में गैस की समस्या होती है, तो टमाटर का सेवन कम करना ही आपके लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि यह पेट में गैस पैदा कर सकता है।

5. आजकल ऑर्गेनिक टमाटरों के बजाए इंजेक्शन या केमिकल का इस्तेमाल कर पकाए गए टमाटर बाजारों में उपलब्ध होते हैं, जो आपके लिए बेचैनी, ब्लडप्रेशर और अन्य सेहत समस्याएं दे सकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद होता है पालक का सेवन

अच्छी सेहत के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां बहुत फायदेमंद होती हैं। जब हरी पत्तेदार सब्जियों की बात आती है, तो पालक को सबसे अधिक स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। पालक में कई तरह के विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो शरीर को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

आमतौर पर पालक को कच्चा या पकाकर दोनों तरह से खाया जा सकता है। इसमें कैलोरी बहुत कम मात्रा में पायी जाती है, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वजन भी नहीं बढ़ता है। यह इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखता है। आइए जानते हैं सेहत के लिए पालक के फायदे।

सेहत के लिए पालक के फायदे: पालक में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद होते हैं। नियमित रूप से इस हरी पत्तेदार सब्जी का सेवन करने से बीमारियां का खतरा कम होता है।

आंखों के लिए फायदेमंद: पालक में ल्यूटिन और जैक्सेंथिन सहित कई यौगिक मौजूद होते हैं, जो आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। शोध बताते हैं कि ये पिगमेंट मैक्यूलर डिजनरेशन और मोतियाबिंद के खतरे को कम करते हैं। ये यौगिक आपकी आंखों को सूरज की रोशनी से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। इस सब्जी में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो कैंसर के खतरे को कम करता है।

वजन घटाए: पालक में कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, लेकिन अधिक मात्रा में घुलनशील फाइबर पाया जाता है। यह सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद है और वजन घटाने में भी काफी मदद करता है। साथ ही यह ब्लड शुगर को भी नियंत्रित रखता है। पालक में पाया जाने वाला फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर रखता है जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती है। इसका सेवन करने से बार-बार भूख नहीं लगती है जिससे मोटापे की समस्या नहीं होती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक: पालक में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, बीटा कैरोटिन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। आज के समय में अगर आप भी इम्यूनिटी बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं तो पालक से बेहतर कुछ भी नहीं है। इसमें मौजूद विटामिन ई और मैग्नीशियम जैसे खनिज इम्यूनिटी मजबूत करने के साथ ही वायरस एवं बैक्टीरिया को भी दूर रखते हैं।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करे: पालक में भरपूर मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करती है। इससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। रिसर्च के अनुसार, पालक का सेवन करने से हृदय स्वस्थ रहता है और इससे जुड़ी बीमारियां भी दूर रहती हैं।

हाइड्रेशन बढ़ाए: शरीर के अंगों को ठीक तरह से काम करने के लिए हाइड्रेट रहना बहुत जरूरी होता है। पालक शरीर को रेगुलेट करता है, जोड़ों को चिकनाहट और कोशिकाओं को पोषक तत्व प्रदान करता है। नियमित पालक का सेवन करने से संक्रमण का खतरा कम होता है और मूड बेहतर रहता है। पालक में पानी प्रचुर मात्रा में होता है जो शरीर को अच्छी तरह हाइड्रेट करता और बीमारियों से दूर रखता है।

पालक में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन इसका सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए। अधिक मात्रा में पालक खाने से सेहत को नुकसान भी पहुंच सकता है। किडनी रोग के मरीजों को डॉक्टर की सलाह के बाद ही पालक का सेवन करना चाहिए।

प्रदूषण से बढ़ गया है बालों का झड़ना ?

पर्यावरणीय कारक भी बालों के झड़ने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं क्योंकि प्रदूषण से बालों में रूखापन, बालों की जड़ों का कमजोर होना और अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को देखते हुए बालों को जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से बचाना महत्वपूर्ण हो गया है। आइए आज आपको कुछ ऐसी टिप्स देते हैं, जो बालों को पोषण देने और विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद कर सकते हैं।

घर से बाहर निकलने से बचें

बालों को प्रदूषण और अन्य विषाक्त पदार्थों से बचाने का सबसे आसान तरीका है कि आप घर से बाहर निकलने से बचें।हालांकि, अगर आपका घर से निकलना बहुत जरूरी है तो पहले अपने सिर को किसी चीज से ढकें। इसके लिए आप हेयर स्कार्फ से लेकर बंडाना और टोपी आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।यह न सिर्फ एक शील्ड की तरह काम करेगें, बल्कि आपको स्टाइलिश लुक भी देगें।

सल्फेट मुक्त शैंपू और कंडीशनर का करें इस्तेमाल

बालों को झडने से रोकने के लिए सल्फेट मुक्त शैंपू का इस्तेमाल करना लाभदायक है। यह बालों को मॉइस्चराइज

करने और पोषण देने में प्रभावी माना जाता है।आप चाहें तो शिकाकाई, मोरिंगा और प्याज के तेल से बने शैंपू को भी चुन सकते हैंइसकेअतिरिक्तफ्रिज और दोमुहेबालोंसेबचाव के लिए शैंपू के बाद एक हाइड्रेटिंग कंडीशनर का भी इस्तेमाल जरूर करें।

हेयर मास्क का इस्तेमाल है जरूरी

बालों की समस्या से बचाव के लिए हफ्ते में 1 बार बालों को पोषण देने वाले हेयर मास्क का इस्तेमाल जरूरी हैहेयर मास्क आपके बालों को मजबूत भी करेगा और उनके टूटने के साथ रूखेपन को भी रोकेगा।इसके लिए केला, एवोकाडो का गूदा, पुदीना और शहद को मिलाएं और फिर इस मिश्रण को अपने बालों में लगाएं। करीब 30-45 मिनट बाद बालों को पानी से धो लें।इसके एक बार इस्तेमाल से ही आपको असर नजर आने लगेगा।

बालों में तेल लगाएं

बालों को प्रदूषण से बचाने के साथ-साथ बालों को मजबूत और मॉइस्चराइज करने के लिए हफ्ते में 2 बार बालों में तेल जरूर लगाएं।बालों में तेल की मालिश करने से स्कैल्प में नमी बरकरार रहती है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक रहता है।घने बालों के लिए नारियल के तेल में गुड़हल के फूलों का पेस्ट लगाकर इस्तेमाल करें।बालों को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए गुड़हल का इस्तेमाल इन तरीकों से भी करें।

डाइट और हाइड्रेशन पर दें ध्यान

जब भी बात बालों की देखभाल की आती है तो डाइट अहम भूमिका निभाती है।ऐसे में अपनी डाइट में आयरन, जिंक, बायोटिन, नियासिन, विटामिन सी और डी और ओमेगा-6 जैसे पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करें।इसके अलावा डिहाइड्रेशन भी बालों के टूटने का कारण बन सकता है और सर्दियों में यह समस्या गंभीर हो जाती है।इस कारण पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं और पानी की मात्रा से भरपूर फल और सब्जियों का अधिक सेवन करें।(आरएनएस)

बच्चों की खांसी कहीं निमोनिया न बन जाए!

खांसी कई कारणों से हो सकती है जैसे - बदले मौसम, सर्द-गर्म, वायरल इंफेक्श, एलर्जी, धूल-मिट्टी , प्रदूषण आदि। लेकिन जब भी बच्चों को 2-3 हफ्ते तक खांसी रहती है तो यह निमोनिया में बदल जाती हैजब कोई बच्चा लंबे समय तक खांसी करता रहता है, तो उसके फेफड़ों में पहले से मौजूद किसी भी संक्रमण की स्थिति बिगड़ जाती है। इस संक्रमण का कारण वायरस, बैक्टीरिया या कोई फफूंद होती है। जब बच्चा खांसता है, तो ये संक्रमण फेफड़ों पर ज्यादा असर डालने लगते हैं, फेफड़ों में सूजन आ जाती है और उन्हें नुकसान पहुंचता है।

ऐसे में फेफड़े सांस लेने के काम को ठीक से नहीं कर पाते। सांस लेना मुश्किल हो जाता है। साथ ही बुखार आने लगता है। इसे निमोनिया कहलाते है। अगर सही समय पर इलाज नहीं किया जाता तो निमोनिया खतरनाक भी हो सकता है। इसलिए जैसे ही खांसी होतो घरेलु उपाय करें ताकि खांसी निमोनिया में न बदलें। आइए जानते हैं एक्सपर्ट के अनुसार।।

घर में लगाएं नेबुलाइजर मशीन

नेबुलाइजर मशीन बच्चों की लंबे समय तक चलने वाली खांसी और सांस की तकलीफों में बहुत फायदेमंद साबित होता है। 5 से 7 दिन तक अगर खांसी में आराम नहीं मिलता है तो घर में बच्चों को नेबुलाइजर मशीन इस्तेमाल कर सकते हैं। यह दवाएं सीधे फेफड़ों में पहुंचती हैं जिससे जल्द राहत मिलती है। घर पर इसका इस्तेमाल करने से बच्चे को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

जायफल और शहद

जायफल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन को कम करते हैं। शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो संक्रमण से लडने में मदद करते हैं। इन दोनों के मिश्रण से गले की सूजन दूर होती है और खांसी में आराम मिलता है।रोजाना एक चम्मच जायफल का पेस्ट और एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार लेने से सूखी खांसी में बहुत राहत मिलती है। इससे खांसी निमोनिया नहीं बदलता है।

अदरक और शहद

सर्दी खांसी होने परबच्चों की इम्यूनिटी बहुत कमजोर हो जाती है। ऐसे में उन्हें सर्दी जुकाम सबसे ज्यादा परेशान करता है। बच्चे को सर्दी होने पर अदरक खिलाने से राहत मिलती है। अदरक में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो सीजनल इंफेक्शन को दूर करते हैं। ये तासीर में गर्म होता है। इसे खाने से शरीर में गर्मी आती है। खांसी होने पर अदरक का रस निकाल कर शहद में मिला कर बच्चे को चटाने से आराम मिलता है। रात में सोने से पहले बच्चे को एक चम्मच खिलाएं। इससे खांसी निमोनिया में नहीं बदलेगी।

पीरियड्स के दर्द में राहत देता है अदरक

सर्दियों में अदरक हर घर में इस्तेमाल किया जाता है। खाने का स्वाद बढाने से लेकर सर्दी-खांसी, जुखाम में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है पर क्या आप जानती हैं। यह पीरियड के दर्द को कम करता है। एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार

पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द को अदरक कम करता है। अधिकतर लढकियां दर्द कम करने के लिए दवाएं लेती हैं, लेकिन अदरक भी एकदम दवा की तरह ही काम करता है और खास बात ये है कि इससे कोई साइड इफेक्ट्स भी नहीं होता। इसके अलावा यह मोटापे को भी कम करता है।

अदरक को फैट बर्नर के रूप में भी देखा जाता है। यह मेटाबॉलिज्म को फास्ट करता है। मेटाबॉलिज्म फास्ट होने से फैट बर्न होता है। ये हाजमें को ठीक करने के साथ शरीर को फिट रखता है। अदरक बॉडी से टॉक्सिन को पसीने के रूप में बाहर निकालता है। कच्चे अदरक के 5 छोटे टुकढों से आपको जिंक, मेग्नीशियम, पोटेशियम और क्रोमियम मिल जाता है। यह सब साथ मिलकर ब्लड सर्कुलेशन को अच्छा करते हैं। यह हार्ट को भी स्वस्थ् रखता है।

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर कार्डियक डिसीज के लिए खतरा बनता। अदरक ब्लड प्रेशर को लो करता है। इसके नियमित सेवन से हाई ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है। अदरक में विटामिन सी होता है जो रोग प्रतिरोधक शक्ति को बेहतर करता है। अरदक सर्दी और फ्लू में कारगर रहता है। अदरक टुकढों को पानी में उबालकर पीने से कॉल्ड और फ्लू खत्म हो जाता है। यह गले के दर्द को भी खत्म करता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या प्रदूषण में कपालभाति जैसे प्राणायाम करने चाहिए?

आज के समय में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गई है। बढ़ते प्रदूषण के चलते कई शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। ऐसे में, प्रदूषित हवा में बाहर व्यायाम या दौडना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। प्रदूषित हवा में व्यायाम करते समय हम ज्यादा सांस लेते हैं, जिससे हमारे फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषित हवा पहुंचते हैं। इससे सांस की तकलीफ, खांसी, सीने में जकडन् जैसी समस्याएं और अधिक बढ़ जाती है। प्रदूषण से बचने के लिए रोजाना कपालभाति जैसे प्राणायाम करना बहुत जरूरी है। लेकिन इस समय आपको घर के अंदर ही योग या प्राणायाम करना चाहिए। जोकि हमारे फेफड़ों और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

जानें कपालभाति प्राणायाम कैसे करते हैं?

कपालभाति एक बहुत ही लाभदायक प्राणायाम है। इसे करने के लिए सबसे पहले पद्मासन में बैठ जाएं और दोनों हाथों से चित्त मुद्रा बना लें। फिर गहरी सांस अन्दर की ओर लेते हुए झटके से सांस बाहर छोड़ें और पेट को अन्दर की ओर खींचें। अगर आप शुरुआत कर रहे हैं तो 5-1० मिनट तक ही अभ्यास करें और धीरे-धीरे समय

बढ़ाते जाएं।

जानें कपालभाति प्राणायाम के फायदे

*आजकल बढ़ते प्रदूषण की वजह से सांस संबंधी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में, प्रदूषण से राहत पाने और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने के लिए कपालभाति जैसे प्राणायाम बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। कपालभाति श्वसन प्रणाली को मजबूत करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाता है। इसको रोजाना करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और प्रदूषण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।

*यह शरीर से विषाक्त पदार्थों और अन्य अपशिष्ट उत्पादों को बाहर निकालने में भी मदद करता है। कपालभाति के दौरान गहरी सांस लेने और बाहर छोडने से फेफड़ों का व्यायाम होता है, जिससे उनकी सफाई में सुधार होता है। इस प्रकार, कपालभाति शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद कर सकता है और स्वस्थ बनाए रखने में उपयोगी है।

*कपालभाति एक ऐसा प्राणायाम है जिसके नियमित अभ्यास से मानसिक और भावनात्मक लाभ भी प्राप्त होते हैं। इसका अभ्यास करने से चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। कपालभाति के दौरान हम धीमी और गहरी सांस लेते हैं, जो हमारे शरीर और दिमाग को शांत और आरामदायक अनुभव देता है। यह ध्यान की स्थिति लाता है और हमारे मन को शांति देता है। इस प्रकार, कपालभाति के नियमित अभ्यास से चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है।

दिल्ली में सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप

दिल्ली की हवा और पानी दोनों बहुत गंदे हो गए हैं। छठ करने वाले लोगों के लिए जो घाट बनाए गए थे उसके आसपास केमिकल डाल कर सफाई की गई थी वरना उससे पहले वहां पानी में खड़े होने की स्थिति नहीं थी। पूरी यमुना झाग से भरी हुई थी।

यही हाल हवा का है। वायु गुणवत्ता सूचकांक नवंबर के महीने में ज्यादा गंभीर श्रेणी में जा चुकी है। यह स्थिति तब है जब बारिश की वजह से कई दिन तक हवा की गुणवत्ता अच्छी रही। सो, हवा और पानी की इतनी खराब स्थिति के बावजूद दिल्ली सरकार और उप राज्यपाल एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप ही लगा रहे हैं। कोई जिम्मेदारी लेकर इसे ठीक नहीं कर रही है।

यमुना में पानी के प्रदूषण को लेकर राज्य की मंत्री आतिशी ने अपना पल्ला झाड़ते हुए कहा था कि छठ के लिए तो हम साफ करा दे रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार को भी गंदा पानी यमुना में नहीं छोडना चाहिए। उनके इस बयान के बाद बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश से यमुना का पानी दिल्ली आता ही नहीं है। दिल्ली में यमुना का पानी हरियाणा से आता है। जिस कालिंदी कुंज बराज से पानी दिल्ली आने की बात उन्होंने कही वहां से भी पानी नहीं आता है।

इसी तरह से हवा की गुणवत्ता खराब होती है तो पहले आप के नेता पंजाब पर ठीकरा फोड़ते थे और जब से पंजाब में अपनी सरकार बन गई है तब से हरियाणा और उत्तर प्रदेश पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

दूसरी ओर उप राज्यपाल, जो दिल्ली सरकार के वास्तविक प्रमुख हैं वे वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट के लिए पंजाब और दिल्ली सरकार को दोष दे रहे हैं। उनको हरियाणा या उत्तर प्रदेश नहीं दिख रहा है। उनका कहना है कि पंजाब में पराली जलाने और दिल्ली सरकार द्वारा उपाय नहीं करने की वजह से दिल्ली की हवा खराब हुई।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -097

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

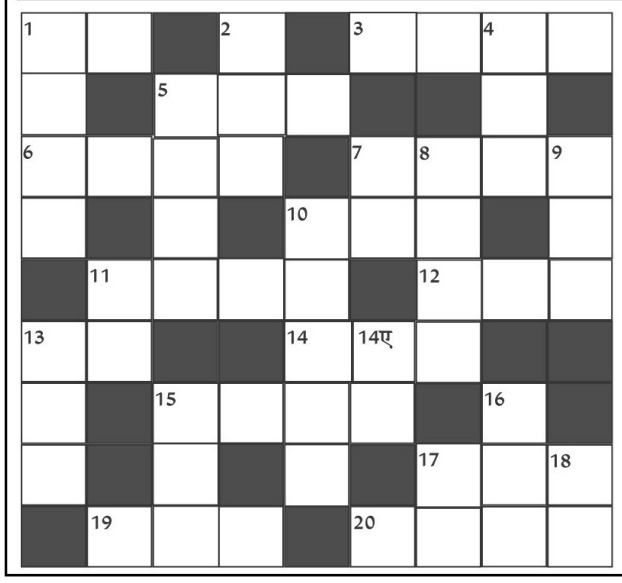

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 96 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सलमान और मेरे बीच बहुत अच्छा तालमेल है : इमरान हाशमी

टाइगर 3 में आतिश का किरदार निभाने वाले इमरान हाशमी को लगता है कि वह नायक सलमान खान के साथ अच्छे लगते हैं, भले ही उन्होंने पहली बार मनीष शर्मा निर्देशित फिल्म में साथ काम किया हो।

शुक्रवार रात मुंबई में टाइगर 3 की सक्सेस पार्टी के दौरान इमरान, कैटरीना कैफ और सलमान खान के साथ मीडिया और फैंस से बातचीत कर रहे थे।

सलमान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करने के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा, सलमान खान को डिस्क्राइब करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप जो देखते हैं, वही आपको मिलता है, उनके आसपास कोई हवा नहीं है... वह आपको सहज महसूस कराते हैं। मेरा पहला सीन सलमान के साथ था, जो एक बड़ा मोनोलॉग था। उनके साथ काम करना आसान था, क्योंकि हम अच्छा महसूस करते थे।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह ऑन-स्क्रीन किसिंग करना मिस करते हैं, जो कि उनका सिग्नेचर मूव है, इमरान, जिन्होंने टाइगर 3 के साथ वाईआरएफ स्पाई-वर्स में प्रवेश किया, ने कहा, मैंने मनीष से कहा कि मुझे फिल्म में एक ट्रैक, एक किसिंग ट्रैक की जरूरत है और एक गाना भी, लेकिन वह नहीं माने।

मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित और यशराज फिल्म्स के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, यह फिल्म टाइगर जिंदा है (2017) का अगला स्कीवल है और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में पांचवीं इंस्टॉलमेंट है। टाइगर 3 ने दिवाली रिलीज के बाद से छह दिनों में बॉक्स-ऑफिस पर दुनिया भर में 322 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

उन्नी मुकुंदन-महिमा नांबियार अभिनीत फिल्म जयगणेश का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

उन्नी मुकुंदन की भूमिका को उनकी सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक माना जाता है, यह एक रोमांचक पृष्ठभूमि वाली पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है जो बच्चों और वयस्कों दोनों को पसंद आएगी। फिल्म, जो वर्तमान में निर्माणाधीन है, रंजीत शंकर की ड्रीम्स एन बियॉन्ड प्रोडक्शंस और उन्नी मुकुंदन फिल्म्स के बीच एक सहयोग है। महिमा नांबियार ने मुख्य भूमिका निभाई है, और जोमोल एक अंतराल के बाद एक आपराधिक वकील के रूप में एक विशेष भूमिका निभाते हैं। कलाकारों में हरीश पेराडी, अशोकन, रवींद्र विजय, नंदू आदि भी शामिल हैं। एर्नाकुलम के आसपास के इलाकों में फिल्मांकन चल रहा है, मलिकापुरम के बाद जय गणेश उन्नी की अगली मलयालम फिल्म बन रही है। दल में छायाकार चंद्रू सेल्वराज, संपादक संगीत प्रताप, संगीतकार शंकर शर्मा और अन्य जैसी उल्लेखनीय प्रतिभाएँ शामिल हैं।

दुल्हनिया 3 में फिर बनेगी आलिया और वरुण की जोड़ी

करण जौहर 1998 में फिल्म कुछ कुछ होता है से अपने सफर की शुरुआत करने के बाद कई शानदार फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। उनकी बेहतरीन फिल्मों में हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया भी शामिल है, जिसे दर्शकों ने बेशुमार प्यार दियाइस फिल्म का दूसरा भाग भी सफल रहा था और काफी समय से प्रशंसक तीसरे भाग की मांग कर रहे थे। अब करण ने आलिया भट्ट और वरुण धवन के साथ दुल्हनिया 3 बनाने पर बात की है। दरअसल, करण से इंस्टाग्राम लाइव के दौरान एक प्रशंसक ने सवाल पूछा था कि क्या वह दुल्हनिया 3 बना रहे हैं क्योंकि सभी आलिया और वरुण को साथ में देखना चाहते हैं।ऐसे में करण ने कहा, दुल्हनिया एक शानदार फ्रैंचाइजी है। यह प्यार और भावनाओं से भरपूर है। शशांक खेतान भावनाओं के साथ कॉमेडी के मिश्रण को पर्दे पर दिखाने में माहिर हैं। हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही दुल्हनिया 3 के साथ एक दिलचस्प कहानी लेकर लौटेंगे।

वरुण भी फिल्म दुल्हनिया 3 का हिस्सा बनने पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर चुके हैं।अभिनेता का कहना था कि वह इस फिल्म को करने के लिए उत्सुक हैं। वह कुछ ऐसी चीज का इंतजार कर रहे हैं, जो बहुत अच्छी हो ताकि दर्शकों को अंत तक बांधे रखे।वरुण ने बताया कि निर्देशक शशांक इसकी स्क्रिप्ट तैयार कर कर रहे हैं, जो अभिनेता के साथ ही उनकी वापसी के लिए भी अच्छी हो साबित हो।

दुल्हनिया फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया 2014 में आई थी। इसमें वरुण ने हम्प्टी और आलिया ने काव्या का किरदार निभाया था। काव्या अपनी शादी पर मनीष मल्होत्रा का डिजाइनर लहंगा पहनना चाहती है और दिल्ली आती है, जहां उसे हम्प्टी से प्यार हो जाता है।2017 की बद्रीनाथ की दुल्हनिया आई, जिसमें वैदेही (आलिया) दहेज के खिलाफ है और अपने सपने पूरा करना चाहती है। इसी बीच उसकी मुलाकात बद्रीनाथ से होती है।

आलिया और वरुण ने 2012 में करण के निर्देशन में बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से ही अपने बॉलीवुड के सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद दोनों हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, बद्रीनाथ की दुल्हनिया और कलंक में साथ नजर आए हैं। करण की एक्शन से भरपूर फिल्म योद्धा 15 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे।वह गुनीत मोंगा के साथ फ्रेंच कॉमेडी द इनटचेबल्स के हिंदी रीमेक और आलिया के साथ फिल्म जिगरा की घोषणा कर चुके हैं।

एनिमल में रणबीर का दमदार एक्शन अवतार लोगों को अचंभित कर रहा है

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की मोस्टअवेटेड फिल्म एनिमल अब तक अपने सभी सॉन्स को लेकर चर्चा में है। वहीं अब फिल्म का एक और नया सॉन्ग अर्जन वैली रिलीज हुआ है। इस गाने में रणबीर का दमदार एक्शन अवतार लोगों को अचंभित कर रहा है। एनिमल का नया गाना अर्जन वैली सिर्फ एक ट्रैक नहीं है, यह सेंट्रल कैरेक्टर के मन में चल रही एक यात्रा और इन्टेन्सिटी की एक झलक को दर्शाता है।

भूपिंदर बब्बल की दमदार आवाज, उनके द्वारा लिखे गए बोल और मनन भारद्वाज की उत्कृष्ट कम्पोजीशन के साथ, यह ट्रैक फिल्म में रणबीर कपूर द्वारा निभाए गए अहम रोले के कैरेक्टर डेवलपमेंट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्जन वैली एक लिरिकल जर्नी है जो रणबीर कपूर द्वारा निभाए गए किरदार के जटिल

यह ट्रैक एनिमल के सार को दर्शाता है, जो निश्चितरूप से रणबीर कपूर जीवन की यादगार भूमिकाओं में से एक होगा। इस नवीनतम संगीतमय पेशकश के साथ, एनिमल ने फिल्म के प्रति उत्सुकता को बरकरार रखा है। इस क्लासिक सागा का निर्माण प्रसिद्ध निर्माता भूषण कुमार ने

दआल, अनिल कपूर जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 1 दिसंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम में रिलीज के लिए तैयार है। एनिमल का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी के सिने स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा किया गया है।

वीकेंड पर टाइगर 3 की कमाई में हुई बढ़त

सिनेमाघरों में इन दिनों दिवाली के मौके पर रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 का जलवा देखने को मिल रहा है।फिल्म भारत के साथ ही दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही तो इस हफ्ते रिलीज हुई फिल्म खिचड़ी 2 दूसरे दिन भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है।इसके अलावा 12वीं फेल की कमाई में वीकेंड पर बढ़त देखने को मिली है।आइए जानते हैं कि किस फिल्म ने कितनी कमाई की है।

मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म टाइगर 3 यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत 2012 में इस फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर से हुई थी।फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी तो पिछले 3 दिन से इसकी कमाई कम होती जा रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वीकेंड पर इसकी कमाई में बढ़त हुई और इसने 17 करोड़ रुपये कमाए। ऐसे इसका कारोबार 217.90 करोड़ रुपये हो गया है।

टाइगर 3 दुनियाभर में भी शानदार कमाई कर रही है और अब जल्द ही 350 करोड़ क्लब में शामिल हो सकती है।रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने अभी तक 322 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है।इस फिल्म में सलमान के साथ कैटरीना कैफ नजर आई हैं तो इमरान हाशमी खलनायक की भूमिका में दिखाई दिए हैं।इनके अलावा शाहरुख खान ने पठान और ऋतिक रोशन ने वॉर के एजेंट कबीर बनकर कैमियो किया है।

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक लोगों को हंसाने के बाद पारेख परिवार ने एक बार फिर 10 साल बाद खिचड़ी 2 से वापसी की है।आतिश कपाडि?ा के निर्देशन में बनी फिल्म में हंसा, प्रफुल्ल, बाबूजी और जयश्री के बीच कॉमेडी के साथ नोकझोंक भी देखने को मिली।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की कमाई में दूसरे दिन मामूली बढ़त हुई है और इसने 1.15 करोड़ रुपये कमाए हैं। अब फिल्म का कारोबार 2.25 करोड़ रुपये हो गया है।

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। इसकी कहानी अनुराग पाठक की इसी नाम से लिखी गई किताब पर आधारित है।बीते कुछ दिनों से फिल्म की कमाई लाखों में सिमटने लगी थी तो अब वीकेंड पर इसके कारोबार में बढ़त देखने को मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 23वें दिन 1.55 करोड़ रुपये कमाए हैं और इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 38.40 करोड़ रुपये हो गया है।

तेलुगु फिल्म द ट्रेल सिनेमाघरों में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार

द ट्रेल एक अभूतपूर्व तेलुगु फिल्म है, जिसने उद्योग की पहली पूछताछ फिल्म के रूप में एक नया मानक स्थापित किया है। एसएस फिल्म्स और कॉमन मैन प्रोडक्शंस द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, फिल्म का कुशल निर्देशन राम गन्नी द्वारा किया गया है, जिसमें स्पंदना पल्ली, युग राम और वामसी कोटू प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्माता, स्मृति सागी और श्रीनिवास नायडू किलाडा, सह-निर्माता सुदर्शन रेड्डी के साथ, ने इस अद्वितीय सिनेमाई अनुभव को जीवन में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरवना वासुदेवन ने इस फिल्म के लिए संगीत तैयार किया जबकि साई कुमार दारा ने कैमरा संभाला।

फिल्म यूनिट द्वारा जारी फर्स्ट लुक पोस्टर और टीजर ने पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी है और व्यापक दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है और लोग रिलीज की तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब, द ट्रेल की बहुप्रतीक्षित रिलीज़ डेट तय हो गई है। ट्रेल 24 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी और उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

विशेष रूप से, स्पंदना पल्ली, जो फिल्मों और वेब श्रृंखलाओं में फैले एक पोर्टफोलियो के साथ एक अनुभवी अभिनेता हैं, एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं, जबकि युग राम, जो पहले कनाबुदुता लेडु में मुख्य भूमिका के रूप में चमके थे, कलाकारों में गहराई जोड़ते हैं। दिलचस्प बात यह है कि टीजर उनके किरदार से जुड़े रहस्य का संकेत देता है। वामसी कोटू, यूट्यूब की दुनिया का एक जाना-पहचाना चेहरा, एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका में एक सम्मोहक गतिशीलता का परिचय देता है। फिल्म का निर्देशक, एक पूर्व पुलिस अधिकारी, एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य का वादा करता है, जो संभावित रूप से कहानी में वास्तविक दुनिया के परीक्षण की जटिलताओं को बुनता है।

इन तत्वों के साथ, द ट्रेल अपराध थ्रिलर शैली में स्थायी सफलता का वादा करता है। तो, 24 नवंबर को द ट्रेल की भव्य रिलीज के लिए अपने कैलेंडर को चिह्नित करें, एक सिनेमाई अनुभव जो तेलुगु सिनेमा को फिर से परिभाषित करने का वादा करता है। इसे सिनेमाघरों में देखना न भूलें।

देश में दलबदल नहीं रुकने वाला!

अजीत द्विवेदी

पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इन सभी राज्यों के उम्मीदवारों की सूची देखने पर बहुत दिलचस्प तस्वीर उभर कर आती है। चाहे देश की सबसे पुरानी पार्टी हो या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो या सबसे कम समय में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली पार्टी हो या बहुजन की पार्टी हो सबने खुले दिल से दलबदल करने वालों को टिकट दी है। कई उम्मीदवार तो ऐसे हैं, जिनको अपनी पार्टी छोडऩे के 24 घंटे के अंदर दूसरी पार्टी से टिकट मिल गई। एक पार्टी से कई कई बार विधायक रहे बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी और दूसरी पार्टी ने उनके हाथों हाथ लिया। कई नेताओं ने दूसरी पार्टी से टिकट की गारंटी लेने के बाद ही अपनी पार्टी छोड़ी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिख रहा है। इसी साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने पार्टी छोड़ी और कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े।

भारत में इस समय दो किस्म से दलबदल हो रहे हैं। पहला चुनाव के समय टिकट हासिल करने के लिए और दूसरा चुनाव के बाद किसी समय सरकार बनाने के लिए। अगर अपनी पार्टी टिकट नहीं दे रही है तो दलबदल करके दूसरी पार्टी से टिकट ले लेना है ताकि चुनाव लड़ सकें। इस तरह राजनीति करने का अंतिम मकसद चुनाव लडऩा हो गया है। किसी कीमत पर चुनाव लडऩा है। अगर चुनाव नहीं लड़े तो राजनीति में होने का कोई मतलब नहीं है। इसके बाद दूसरा सबसे बड़ा मकसद चुनाव जीतने के बाद सरकार में शामिल होना है। अगर सरकार में शामिल नहीं हुए तब विधायक बनने का कोई मतलब नहीं है। तभी चुनाव से पहले और चुनाव के बाद खूब दलबदल हो रहे हैं। पिछले तीन साल में महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में जो राजनीतिक खेल हुआ वह इस किस्म के दलबदल की मिसाल है।

राजनीति करने वालों की इस मानसिकता का राजनीतिक दल खूब दोहन कर रहे हैं। वे दलबदल करने पर उनको टिकट देने का वादा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का वादा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दलबदल करने वाले इतने लोगों को मुख्यमंत्री बनाया है कि लोग गिनती भूल जाएं। शिव सेना से अलग होने वाले एकनाथ शिंदे, कांग्रेस छोडऩे वाले हिमंत बिस्वा सरमा, मानिक साहा, पेमा खांडू आदि की मिसाल है। कर्नाटक में भी भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व नेता बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। सो, दो बातें स्पष्ट हैं। पहली बात तो यह कि राजनीति करने का मतलब है चुनाव लडऩा और चुनाव जीतने का मतलब है सरकार में शामिल होना।

इस बात को एनसीपी के नेता अजित पवार ने एक सैद्धांतिक रूप दिया है। उन्होंने जब अपने चाचा की बनाई पार्टी एनसीपी तोड़ी और भाजपा के साथ जाकर सरकार में शामिल हुए तो इसे जस्टिफाई करते हुए कहा कि विकास करने के लिए जरूरी है कि सरकार में रहा जाए। उन्होंने सत्ता की अपनी लालसा को राज्य के विकास से जोड़ दिया। सोचें, अजित पवार 1999 से लेकर 2014 तक लगातार 15 साल सत्ता में रहे। फिर नवंबर 2019 से जून 2022 तक लगभग ढाई साल सत्ता में रहे। इसके बाद भी महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ऐसी है कि उनसे एक साल भी सत्ता से बाहर नहीं रहा गया। वे जिस पार्टी के नेता के तौर पर साढ़े 17 साल सत्ता में रहे थे और राज्य का विकास कर रहे थे उसे छोड़ कर विरोधी गठबंधन में चले गए और राज्य के उप मुख्यमंत्री बन गए। तभी वे चाहे कुछ भी कहें किसी को इस बात पर यकीन नहीं होगा कि वे महाराष्ट्र का विकास करने के लिए दलबदल करके सरकार में शामिल हुए हैं। असली कारण सबको पता है। उन्होंने दलबदल को एक वैचारिक जामा पहनाने की कोशिश की है। लेकिन असल में यह एक झीना सा परदा है, जिसके आर-पार सबको सब कुछ दिख रहा है।

असल में अब राजनीति जनता की सेवा करने, समाज को बेहतर बनाने या प्रदेश और देश का विकास करने का माध्यम नहीं है। अब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धता की चीज भी नहीं है। राजनीति सत्ता हासिल करने और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने का माध्यम बन गई है। देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए यह भी साफ दिख रहा है कि कोई भी नेता लम्बे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकता है और न पार्टियां लम्बे समय तक सत्ता से दूर रहना अफोर्ड कर सकती हैं। जिन संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर राजनीति की शुचिता बरकरार रखने की जिम्मेदारी है वे भी दुर्भाग्य से सत्ता के खेल का हिस्सा बन गई हैं।

सोचें, क्या इस बात पर यकीन किया जा सकता है कि कोई नेता अगर विपक्ष में चला जाए तो उस राज्य का विकास नहीं हो सकता है? या कोई नेता एक बार विधायक न बने तो राज्य और वहां की जनता का विकास अवरूद्ध हो जाएगा? लेकिन नेता इन तर्कों से दलबदल करके दूसरी पार्टी से चुनाव लडऩे और चुनाव जीत जाने के बाद दूसरी पार्टी के साथ जाकर सरकार बनाने के अनैतिक कृत्य को न्यायसंगत ठहराते हैं। अगर नेताओं को ऐसा करने में दिक्कत नहीं है तो पार्टियों को भी कोई परेशानी नहीं है। उनके लिए वैचारिक प्रतिबद्धता, पार्टी के प्रति निष्ठा, ईमानदारी आदि का कोई मतलब नहीं रह गया है। उनके लिए एकमात्र जरूरी पैमाना यह है कि कोई नेता चुनाव जीत सकता है या नहीं या कोई जीता हुआ नेता सरकार बनाने के काम आ सकता है या नहीं। पार्टियां चुनाव के समय टिकट देने के लिए मजबूत और साधन सम्पन्न नेताओं की तलाश करती हैं। फिर इसका कोई मतलब नहीं रह जाता है कि वह अपनी पार्टी का है या दूसरी पार्टी का या किसी पार्टी का नहीं है। असल में अब राजनीति जनता की सेवा करने, समाज को बेहतर बनाने या प्रदेश और देश का विकास करने का माध्यम नहीं है। अब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धता की चीज भी नहीं है। राजनीति सत्ता हासिल करने और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने का माध्यम बन गई है। देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए यह भी साफ दिख रहा है कि कोई भी नेता लम्बे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकता है और न पार्टियां लम्बे समय तक सत्ता से दूर रहना अफोर्ड कर सकती हैं। जिन संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर राजनीति की शुचिता बरकरार रखने की जिम्मेदारी है वे भी दुर्भाग्य से सत्ता के खेल का हिस्सा बन गई हैं।

विधानसभाओं के स्पीकर दलबदल करने वाले नेताओं की अयोग्यता का मामला महीनों या बरसों लटकाए रखते हैं। एक चुनाव से बाद दूसरा चुनाव आ जाता है और तब तक फैसला नहीं होता है। सर्वोच्च अदालत को इस बारे में समय सीमा तय करनी होती है। महाराष्ट्र में शिव सेना के विधायकों की अयोग्यता का मामला एक साल से ज्यादा समय से लम्बित है। वहां तो शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट सक्रिय है और बार बार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहा है तो अदालत भी इस पर कोई निर्देश आदि दे रही है। लेकिन झारखंड में तो तीन विधायकों की अयोग्यता का मामला करीब चार साल से लटका हुआ है और स्पीकर ने फैसला नहीं किया है।

पश्चिम बंगाल में भी यही हाल है। सोचें, जब पार्टियां दलबदल करने वाले नेताओं का स्वागत करने के लिए बाहें फैला कर खड़ी हैं, उनकी पसंद की जगह से टिकट देने और सरकार में मनपसंद जगह देने को तैयार हैं और संवैधानिक संस्थाएं उनकी अयोग्यता का फैसला बरसों तक लम्बित रखने को तैयार हैं तो फिर क्यों कोई नेता दलबदल करने से हिचकेगा? जब राजनीति ऐन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने का माध्यम है तो अनैतिक कुछ भी नहीं रह गया है और इसलिए दलबदल रूकने की कोई संभावना नहीं है।

सू- दोकू क्र.097

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.96 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

तेलंगाना में कांग्रेस की उम्मीद

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी को जब राजस्थान में कड़ा मुकाबला दिखा था तब भी वे तेलंगाना में सरकार बनने को लेकर पूरी आश्वस्त थे। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सरकार बना रही है। हालांकि पिछले दो चुनावों में कांग्रेस ने वहां अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आंध्र प्रदेश से अलग नया राज्य बनवाने के बावजूद 2014 के चुनाव में कांग्रेस को राज्य की 119 में सिर्फ 21 सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस की सीटें घट कर 19 रह गईं। चुनाव से पहले ऐसा लग रहा था कि तेलंगाना में मुकाबला एकतरफा है और एक बार फिर चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति ही चुनाव जीतेगी। लेकिन मई में कर्नाटक में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत के बाद सब कुछ बदल गया। कर्नाटक में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस को एकमुश्त वोट किया। इसके बाद ही तेलंगाना का माहौल बदला।

कर्नाटक के चुनाव से पहले भाजपा राज्य में बहुत सक्रिय थी लेकिन कर्नाटक के बाद अचानक वह शिथिल पड़ गई, जिससे यह प्रचार हुआ कि कांग्रेस को रोकने के लिए भाजपा ने चंद्रशेखर राव की पार्टी को रणनीतिक समर्थन दे दिया है। इससे भी मुस्लिम मतदाताओं का रूझान कांग्रेस की ओर बना। राज्य के रेड्डी मतदाता पारंपरिक रूप से कांग्रेस के साथ हैं। ऊपर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतारे और कांग्रेस को समर्थन दे दिया। भाजपा अब भी लड़ रही है लेकिन वह बहुत पीछे छूट गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी 119 में से सिर्फ नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस वजह से मुकाबला बीआरएस बनाम कांग्रेस है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खूब मेहनत की है। कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड? की बनाई कांग्रेस कार्य समिति की पहली बैठक हैदराबाद में की और उसके बाद एक बड़ी रैली की। उसके बाद से कांग्रेस के बड़े नेता लगातार वहां डटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के आर्किटेक्ट रहे डीके शिवकुमार को वहां चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। के चंद्रशेखर राव की सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी भी एक फैक्टर है। सो, हालात की अनुकूलता, नेताओं की मेहनत, सामाजिक समीकरण और संसाधनों की वजह से कांग्रेस कड़ी टक्कर दे रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुकाबले तेलंगाना का मामला अलग है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दांव पर है तो मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस पिछली बार जीती थी। लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस को सिर्फ 19 सीटें मिली थीं और उसमें से भी ज्यादातर विधायक बाद में पाला बदल कर बीआरएस के साथ चले गए थे। इसलिए वहां कांग्रेस का कुछ भी दांव पर नहीं है।

गदर 2 की सिमरत कौर बनीं प्रभास की सालार का हिस्सा, खास गाने में आएंगी नजर

साउथ के अभिनेता प्रभास पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म सालार- पार्ट वन- सीजफायर को लेकर चर्चा में हैं।प्रशांत नील के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है।अब फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। दरअसल, गदर 2 की अभिनेत्री सिमरत कौर सालार का हिस्सा बन गई हैं।वह फिल्म के एक विशेष गाने में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी, जिसकी शूटिंग अभिनेत्री ने पूरी कर ली है।

गदर 2 की सफलता के बाद सिमरत सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।ऐसे में सालार के निर्माताओं ने फिल्म में एक खास गाने में अभिनेत्री को लेने का फैसला किया है।सालार 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और टिकट खिड?ी पर इस फिल्म का सामना शाहरुख खान की डंकी से होगा।प्रभास की फिल्म का ट्रेलर नवंबर के अंत तक जारी किया जाएगा और इसका टीजर पहले ही सामने आ चुका है।

बाबा बौखनाथ जी से सुरंग में फंसे 41 लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने के लिए प्रार्थना, अनुनय विनय करते प्रदेश के मुख्यमंत्री।

शहर की यातायात व्यवस्थाः अधिकारियों की अज्ञानता बनी जनता के जी का जंजाल

संवाददाता

देहरादून। शहर की यातायात व्यवस्था में जाम अधिकारियों की अज्ञानता का ही कारण है कि जनता को इससे दो चार होना पडता है तथा अधिकारी शहर के बारे में जाने बगैर फरमान जारी कर देते हैं जोकि जनता के जी का जंजाल बन जाता है।राज्य निर्माण के बाद दून के राज्य की राजधानी बनाने की घोषणा के बाद से ही यहां की जनता को जाम के झाम से दो चार होना पड रहा है। यहां पर जो भी अधिकारी आया उसके सामने शहर की यातायात व्यवस्था एक चुनौती की तरह सामने खडी दिखायी देती है और इस समस्या से निपटने के लिए वह इस शहर की संरचना के बारे में जानकारी लेने के बजाय अपना फरमान जारी कर देते हैं। जो कि जनता के लिए मुसीबत का सबब बन जाता है। कभी कोई अधिकारी फरमान जारी करता है कि सडकों पर रस्सी लगाकर यातायात को डायवर्ड करो तो कोई यातायात कार्यालय पर पार्क बनाकर लोगों को जागरूक करने का पाठ पढाता दिखायी देता है। यहां तक कि यातायात पर फिल्म बनाकर उसको यातायात कार्यालय में लोगों व स्कूली बच्चों को दिखाकर यातायात का पाठ भी पढाया गया। लेकिन उसका नतीजा शून्य रहा। यातायात समस्या जस की तस ही दिखायी दी। कोई अधिकारी स्कूली बच्चों को चौराहे पर लाकर उनसे यातायात सुचारू कराने का प्रयास करता है तो कोई फूल बांटकर यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने की बचकानी हरकत करते हुए दिखायी देते हैं। अगर फूल बांटकर, यातायात पार्क बनाकर या फिर फिल्म दिखाने से यातायात व्यवस्था पटरी पर आती होती तो यह समस्या कभी की दूर हो चुकी होती। लेकिन किसी भी अधिकारी ने धरातल पर उतरकर दून की यातायात व्यवस्था की नस पकडने का प्रयास किया होता तो शायद किसी हद तक यहां की यातायात व्यवस्था को सुचारू कर लिया होता। अब एक नये साहब आये हैं यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए। यह साहब नो पर्किंग में खडे वाहनों पर क्लीप लगाकर चालान करने को यातायात व्यवस्था को सुधारने के दावे करते फिर रहे हैं। अगर वाहनों पर क्लीप लगाकर और जुर्माना वसूल करने से शहर की यातायात व्यवस्था सुधरती तो फिर क्या कहने। ऐसे अज्ञानता पूर्ण कार्य करने से यह अधिकारी जनता के बीच उपहास का कारण बनने से ज्यादा कुछ नहीं। इन साहब को यह नहीं पता कि अगर नो पार्किंग में खडे वाहन को क्लीप लगा दिया तो वह तो वहीं खडा रह जायेगा और जाम का कारण ओर बनेगा। अगर वाहन स्वामी कहीं दूर हुआ तो उसके लिए तो यह ओर सुरक्षित काम हो जायेगा। यह तो बहुत ही आसान काम जनता के लिए किया जा रहा है। वाहन स्वामी को अपने वाहन के चोरी होने का भी कोई खतरा नही क्योंकि वाहन पर तो पुलिस ने क्लीप लगा दिया है और दो घंटे बाद आकर पांच सौ रूपये देकर वह अपना वाहन छुडाकर ले जायेगा। पांच सौ रूपये में उसका वाहन तो सुरक्षित मिला तो उसको पांच सौ रूपये का भी कोई दुख नहीं होता। साहब धरातल पर आ जाओ हवा हवाई से कोई फायदा नही।

सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 की प्रतियोगितात्मक परीक्षा कल

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 की प्रतियोगितात्मक परीक्षा कल आयोजित की जा रही है। आज यहां इसकी जानकारी देते हुए आयोग के सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 25 नवम्बर को सहायक कृषि अधिकारी वर्ग-1 की प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आयोग की ओर से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग से प्राप्त अधियाचन के अनुसार 34 पदों हेतु 3 अक्टूबर को आयोग द्वारा विज्ञापन जारी किया गया जिसमें इच्छुक अभ्यार्थियों हेतु आवेदन की अन्तिम तिथि 5 नवम्बर को निर्धारित की गयी थी। निर्धारित तिथि तक 1558 अभ्यार्थियों द्वारा आवेदन किये गये है। आयोग द्वारा पहली बार स्वयं के संसाधनों से ऑनलाइन एप्लीकेशन का फार्मेट तैयार कर आवेदन पत्र प्राप्त किये गये। उन्होंने बताया कि आयोजित होनेा वाली परीक्षा के लिए देहरादून में तीन विद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

सिलक्यारा: किसी भी पल खत्म हो सकता है श्रमिकों के बाहर निकलने का इंतजार

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के बाहर निकलने का फिलवक्त सभी को इंतजार है। हालांकि, ये इंतजार किसी भी पल खत्म हो सकता है। मजदूरों के बीते बुधवार तक मजदूरों के बाहर निकलने का इंतजार खत्म होने ही वाला था कि एक छोटी सी बाधा ने इस इंतजार और बढ़ा दिया।

800 एमएम व्यास के ह्यूम पाइप्स मजदूरों तक पहुंचने के बेहद करीब थे, लेकिन मलबे में मोटी सरिया के ऑगर मशीन कटर पर अटकने से पुर्जे ही टूट गए। ऐसे में अंदर टेक्निकल दिक्कतों को दूर करने के लिए रातों रात दिल्ली से हेली की मदद लेकर एक्सपर्ट बुलाने पड़े और एनडीआरएफ, एसडीआरडीएफ सहित टीएचडीसी के इंजीनियरों की भी मदद ली गई। गुरूवार को दोपहर में रेस्क्यू कार्य फिर शुरु हुआ और उम्मीद

जताई जा रही थी कि देर शाम या आज सुबह तक सभी बाहर आ जाएंगे, लेकिन फिलहाल सुरंग के अंदर से रेस्क्यू कार्य को लेकर कोई खुशखबरी सामने अब

❑मुख्यमंत्री ने तीन दिनों से उत्तरकाशी में ही डाल रखा है डेरा

तक नहीं आई है। हालांकि, अधिकारियों और विशेषज्ञों का दावा है कि फिर से छोटी बाधाएं नहीं आती आती है, तो श्रमिकों की निकासी किसी भी पल संभव है। इसी पल के इंतजार में सीएम पुष्कर सिंह धामी मातली में कैंप बनाकर डेरा जमाए हुए हैं। साथ ही केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह भी कल से इसी क्षेत्र में जमे हैं।

गुरूवार को आखिरी वक्त पत्रकारों को जानकारी देते हुए रेस्क्यू नोडल अफसर व उत्तराखंड शासन के सचिव डॉ नीरज खैरवाल ने बताया कि 45 मीटर तक ह्यूम पाइप पुश किए जाने के बाद बाधा उत्पन्न हो गई थी और रेस्क्यू निरंतर जारी है। हालांकि इसके बाद से कोई आधिकारिक बयान अब तक रेस्क्यू को लेकर सामने नहीं आया है। देखा जाए तो मजदूरों की चिंता इस वक्त परिजनों ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया को भी है। यही वजह है कि यहां विदेशी मीडिया भी डेरा डालकर सुरंग में चल रहे रेस्क्यू के पल पल की अपडेट ले रहा है।

करियर टाउन एक इवेंट नहीं एक दूरदर्शी पहल है:जोशी

संवाददाता

देहरादून। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि करियर टाउन सिर्फ एक इवेंट नहीं है, यह एक दूरदर्शी पहल है।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने डालनवाला स्थित दून इंटरनेशनल स्कूल द्वारा आयोजित कैरियर टाउन इंटर-स्कूल प्रतियोगिता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि करियर टाउन के उद्घाटन समाहरो मे आकर मुझे हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है। जिसका आयोजन करियर व क्लब दुबई और भारत के द्वारा दून इंटरनेशनल स्कूल देहरादून में किया गया है,जो हमारे छात्रों के भविष्य के लिए बहुत आशा रखता है।

मंत्री ने आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा शिक्षा में नवाचार लाने और हमारे छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में

सराहनीय है। मंत्री ने कहा करियर टाउन सिर्फ एक इवेंट नहीं है, यह एक दूरदर्शी पहल है। यह एक मंच है जो हमारे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों से अमूल्य मार्गदर्शन के साथ रोमांचक करियर- उन्मुख गतिविधियाँ प्रदान करेगा।

इस कार्यक्रम में 30 स्कूलों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम छात्रों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। जिसमें उन्हें चर्चाएं, रोचक कार्यशालाएं, प्रतियोगिताएं, और करियर, पाठ्यक्रम, परिसरों और कंपनियों के लिए समर्पित गतिविधि क्षेत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा करियर टाउन शिक्षा और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने का एक मंच भी होगा।

महंगाई के विरोध में सुराज सेवा दल ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। बढती महंगाई के विरोध में सुराज सेवा दल ने गांधी पार्क में धरना देकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता गांधी पार्क पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने दल के अध्यक्ष रमेश जोशी के नेतृत्व में धरना दिया। धरने पर बोलते हुए रमेश जोशी ने कहा कि भाजपा कांग्रेस मौसेरे भाई है और भ्रष्टाचार में एक दूसरे का अंतरमन से समर्थन करते हैं केवल एक दूसरे के बारे में विरोध कर टीका टिप्पणी कर जनता को गुमराह करने के लिए एक दूसरे पर आरोप लगाते हैं लेकिन दोनों का उद्देश्य प्रदेश को लूटकर अपना घर भरना है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में पार्किंग घोटाला हुआ जिसका टैंडर तत्कालीन सिंचाई

सचिव हरिश्चंद्र सेमवाल के आदेश पर बढाया गया। वर्तमान में आबकारी आयुक्त के पद पर तैनात है उच्चतम न्यायालय ने उस पूरे घोटाले की सीबीआई से जांच करने की संस्तुति कर दी तत्काल प्रभाव स` इतनी महत्वपूर्ण पद पर बैठे अधिकारी को निलम्बित किया जाए ताकि जांच प्रभावित ना हो सके। भाजपा कांग्रेस भ्रष्ट अधिकारियों से पैसे कमाने का स्रोत बनाती है।

धरने के दौरान उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। धरना देने वालों में अजय मौर्या, आतिश मिश्रा, विजेन्द्र, ललित, हिमांश, मोनिका, आलम, नीतू, पूजा नेगी आदि लोग मौजूद थे।

एक नजर

राजौरी मुठभेड़ में शहीद जवानों को सेना व जम्मू कश्मीर पुलिस ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरंग में छिपकर हमला करने वाले आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए पांच जवानों को सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार (24 नवंबर) को सुबह श्रद्धांजलि दी। राजौरी के दरमसाल के बाजीमल इलाके में बुधवार और गुरुवार (23-24 नवंबर) को सुरक्षा बलों के साथ 36 घंटे तक चली मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष कमांडर सहित दोनों आतंकियों को मार गिराया गया है। इस दौरान गोलीबारी में घायल होने के बाद दो कैप्टन सहित पांच जवान भी शहीद हो गए हैं। सेना के शहीद जवानों के पार्थिव शरीरों को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान भेजा जा रहा है। आतंकियों से मुकाबला करते हुए अपनी जान न्योछावर करने वाले जवानों में कर्नाटक के मंगलोर के निवासी कैप्टन एम वी प्रांजल शामिल हैं। वह 63 राष्ट्रीय राइफल्स में थे। कैप्टन प्रांजल के परिवार में उनकी पत्नी अदिति भी हैं। इसी तरह से 9 पैराट्रूपर के जवान कैप्टन शुभम गुप्ता मूल रूप से आगरा के रहने वाले थे। कैप्टन गुप्ता के परिवार में उनके पिता बसंत कुमार गुप्ता हैं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ के निवासी हवलदार अब्दुल माजिद शहीद हुए हैं। माजिद के परिवार में उनकी पत्नी सगेरा बी। और तीन बच्चे हैं। उत्तराखंड के नैनीताल के रहने वाले लांस नायक संजय बिष्ट ने भी अपनी जान गंवायी है। उनके परिवार मां मंजू देवी हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के पैराट्रूपर सचिन लौर भी शहीद हुए हैं, जिनके परिवार में केवल उनकी मां भगवती देवी ही हैं।

जाने माने फिल्म निर्माता राजकुमार कोहली का निधन

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर राजकुमार कोहली का निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार को 95 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह आज सुबह बहुत देर तक जब बाथरूम से बाहर नहीं निकले, तो फिर उन्हें बाथरूम का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला गया। उन्हें बाथरूम में हार्ट अटैक आ गया था। परिवारिक सूत्र के मुताबिक, आज सुबह तकरीबन 8 बजे राजकुमार कोहली नहाने के लिए बाथरूम गए थे। लेकिन बहुत देर तक वह बाहर ही नहीं निकले। फिर बेटे अरमान कोहली ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ दिया और फिर पिता को बाहर निकालकर उन्हें आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पारिवारिक सूत्र ने आगे बताया कि राजकुमार कोहली की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है। फिल्ममेकर राजकुमार कोहली अपने करियर में नागिन, जानी दुश्मन, बीवी नौकर का, बदले की आग, राज तिलक, जीने नहीं दूंगा, इंतकाम, बीस साल बाद जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया था।

अफगानिस्तान ने नई दिल्ली में बंद किया अपना दूतावास

नई दिल्ली। अफगानिस्तान दूतावास ने नई दिल्ली में अपने दूतावास को स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा कर दी है। नई दिल्ली में अपने राजनयिक मिशन को बंद करने पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए, अफगान दूतावास ने कहा है, कि भारत सरकार की लगातार चुनौतियों के कारण 23 नवंबर 2023 से ये फैसला प्रभावी हो गया है। अफगान दूतावास ने आगे बयान में कहा, कि यह फैसला, दूतावास द्वारा 30 सितंबर को संचालन बंद करने के बाद लिया गया है। और यह कदम इस उम्मीद में उठाया गया है कि मिशन को सामान्य रूप से संचालित करने के लिए भारत सरकार का रुख अनुकूल रूप से बदलेगा। आपको बता दें, कि सितंबर महीने में पहली बार अफगानिस्तान दूतावास को लेकर विवाद सामने आया था और अफगानिस्तान के राजदूत ने कहा था, कि दूतावास को भारत से सहयोग नहीं मिल रहा है, जिसको लेकर भारत ने कहा था, कि अफगान राजदूत पिछले कई महीनों से भारत में नहीं रहकर, ब्रिटेन में रह रहे हैं। अभी तक जो नई दिल्ली में दूतावास काम कर रहा था, वो तालिबान के शासन आने से पहले की सरकार का दूतावास था, जिसे तालिबान मान्यता नहीं देता था, वहीं अब जबकि, अफगानिस्तान दूतावास ने आधिकारिक तौर पर स्थायी बंद की घोषणा की है, तो संभावना बढ़ गई है, कि तालिबान नये सिरे से भारत के साथ रिश्तों की शुरूआत कर सकता है और अपने राजदूत को नई दिल्ली में भेज सकता है।

कार व ट्रक की टक्कर में पिता व दो पुत्र सहित चार की मौत

हमारे संवाददाता

सीतापुर/उधमसिंहनगर। सड़क दुर्घटना में देर शाम उल्टी दिशा से आ रही कार के ट्रक से टकराने पर पिता-दो पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज एक ही परिवार के चार लोग ऊधमसिंहनगर के रुद्रपुर से शादी समारोह में शामिल होने के लिए कार द्वारा अयोध्या के सोहावल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि खैराबाद थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 24 पर समदेपारा मोड़ के पास उनकी कार एक ट्रक से टकरा गयी। देर शाम हुई इस दुर्घटना के बाद पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने चारों कार सवारों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

विगवाड़ा में स्थित रायल रेजीडेंसी में रामदास मौर्य (57) अपने परिवार के साथ रहते थे। बृहस्पतिवार को रुद्रपुर के एमबी टाउन कॉलोनी में रहने वाले उनके जीजा के बेटे की बरात फैजाबाद गई थी। सुबह छह बजे रामदास अपने बेटे अविनाश (30), अंकुर (25) और रिश्तेदार लेखराज (50) के साथ कार से बारात के लिए निकले थे। हादसे की जानकारी पाकर मृतकों के परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने सभी की शिनाख्त की।

एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। इनकी कार उल्टी दिशा से जा रही थी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मंदिर में चोरी करने वाला गिरफ्तार, माल बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मंदिर में चोरी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से चुराया गया सारा सामान भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सोहन लाल मलासी पुत्र मनीराम मलासी निवासी अशोक विहार राजागार्डन द्वारा थाना कनखल थाना कनखल में तहरीर देकर बताया गया था कि रामेश्वर मंदिर में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस को सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर खोखरा तिराहे के समीप देखा गया है तथा वह कहीं भागने की फिराक में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। जिसके पास से मंदिर में चोरी किया गया सारा सामान भी बरामद हुआ।

सचिव के नाम पर मांगे पैसे, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के भाषा विभाग के सचिव के नाम एसएमएस कर रूपये मांगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखण्ड सचिवालय में भाषा विभाग के सचिव विनोद प्रसाद रतूडी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी व्यक्ति द्वारा उनके नाम पर सुमन प्रसाद रतूडी व एमपी रतूडी के मोबाइल नम्बरों पर एसएमएस कर रूपयों की मांग की गयी तथा एक मोबाइल नम्बर 8929968082 पर ऑनलाईन पेटीएम करने को कहा गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनडीआरएफ का मॉक ड्रिल, बताया कि कैसे निकाला जायेगा श्रमिकों को

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अब पाइप और मजदूरों के बीच महज 9-10 मीटर की दूरी बची हुई है।

इस दौरान एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल कर बताया है कि सुरंग में फंसे मजदूरों को कैसे स्ट्रेचर पर लिटाकर निकाला जाएगा। अधिकारियों ने कहा है कि सुरंग के नीचे 13 दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को एक बड़े पाइप के माध्यम से एक-एक करके पहिए वाले स्ट्रेचर पर बाहर निकाला जाएगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने आज फंसे हुए श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए स्ट्रेचर के उपयोग का मॉक ड्रिल किया। अधिकारियों ने कहा कि एनडीआरएफ कर्मी जब स्ट्रेचर को रस्सी से खींचेंगे तो प्रत्येक मजदूर को स्ट्रेचर पर नीचे की ओर लिटाया जाएगा ताकि उनको पाइप से चोट न लगे। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने का प्रयास अंतिम चरण में पहुंच गया है।

निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में बचाव अभियान के दौरान आई बाधा को दूर कर लिया गया है जिसके बाद मलबे में फिर से जल्द ही ड्रिलिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा ताकि पिछले 12 दिन से अंदर फंसे श्रमिकों को बाहर निकाला जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात ऑगर मशीन के नीचे बने प्लेटफार्म में दिख रही दरारों को ठीक कर लिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।